"नियम"

75% + 25% = 100% (+ -)

पिछला पुरुषार्थ + प्रत्यक्ष पुरुषार्थ = (+ -)

(भाग्य-जो कभी नहीं बदलता) + प्रत्यक्ष कर्म = (+ -)

"पिछला मैला" + "प्रत्यक्ष मैला" = खून के आँसू (रोना-पीटना)

"पिछला मैला" + "प्रत्यक्ष निर्मल" + "दया" =

किसी शब्द ने बचा दिया "वर्ना" पता नहीं हमारा क्या होता.....!

"पिछला पवित्र" + "प्रत्यक्ष निर्मल" =

है-है-है सब जग भयो -(+) दया का "भण्डार" जै-जै-जै सुर लोक !

पवित्र अथवा निर्मल = रहत मर्यादा अनुसार "केवल" व्यवहारिक जीवन जीना.....!